## डिजिटल प्लेटफॉर्म पर लॉन्च की मैग्जीन

# पर्यावरण बचाने आईआईएम रायपुर की नई पहल

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

पर्यावरण बचाने के लिए आईआईएम रायपुर ने नई पहल की है। आईआईएम ने इस बार अपनी वार्षिक मैग्जीन केवल डिजिटल प्लेटफॉर्म पर ही जारी की है, ताकि कागजों की आवश्यकता न पड़े और इस तरह पेड़ों को बचाया जा सके। आईआईएम ने इसे पीडीएफ फॉर्मेट में तैयार किया है। छात्रों और प्राध्यापकों को इसे ई-मेल के जरिए भेज दिया गया है। जल्द ही इसे आईआईएम की आधिकारिक वेबसाइट पर भी अपलोड कर दिया जाएगा, ताकि इसे कोई भी देख सके। इससे पहले भी आईआईएम रायपुर द्वारा डिजिटल प्लेटफॉर्म में मैग्जीन तैयार किए जाते रहे हैं, लेकिन डिजिटल मैग्जीन के साथ ही पेपर फॉर्मेट में भी इसे तैयार किया जाता था अर्थात मैग्जीन की छपाई भी होती थी। इस वर्ष बढ़ते हुए तापमान और पर्यावरण प्रदूषण को देखते हुए केवल डिजिटल प्लेटफॉर्म पर ही मैग्जीन लॉन्च करने का फैसला किया गया। इस मैग्जीन की एक भी कॉपी नहीं छापी गई है। केवल डिजिटल प्लेटफॉर्म पर ही आईआईएम की वार्षिक पत्रिका मौजूद है।

- बढ़ते तापमान और पर्यावरण प्रदूषण को देखते हुए फैसला

### एक भी प्रति नहीं छापी

मैग्जीन सिर्फ डिजिटल है। इसकी एक भी प्रति नहीं छापी गई है। कागज की बर्बादी रोकने यह फैसला लिया है।

- प्रो. अर्चना पराशर, मीडिया प्रभारी, आईआईएम रायपुर

### थीम पर आधारित

आईआईएम रायपुर की आधिकारिक स्टूडेंट मैगजीन इफ्लूजेंस-5.0 28 जून को लॉन्च की गई। इफ्लूजेंस का आशय प्रभा होता है। इस वर्ष की पत्रिका का विषय स्वदेशीकरण है। इसमें देश के कुछ ऐसे उद्यमियों के नाम शामिल किए गए हैं, जिन्होंने स्वदेशीकरण को बढ़ावा देते हुए अपने बिजनेस में प्रगति की है। प्रबंधन द्वारा हर वर्ष मैग्जीन निकाली जाती रही है। इसमें छात्रों की उपलब्धियों से लेकर संस्थाओं में मौजूद सुविधाओं को जगह दी जाती है। नए छात्रों को जानकारी प्रदान करने कई अन्य तथ्य भी इसमें शामिल रहते हैं। आईआईएम प्रबंधन आगे भी सिर्फ डिजिटल प्लेटफार्म में ही मैग्जीन पब्लिश करने पर विचार कर रहा है, ताकि भविष्य में पर्यावरण संरक्षण में योगदान दिया जा सके।

**Haribhoomi, 2nd July 2019,p.19.jpg**